CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

08 Feb. 2025

ABHAY Sir

Result Mitra

- ❖ Topic 1:- भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी दौरा
- ❖ Topic 2:– गुवाहाटी उच्च न्यायालय का आदेश: टिपम पहाड़ियों और अहोम स्मारकों की सुरक्षा
- ❖ Topic 3:– आईआईटी मद्रास ने लॉन्च किया पहला कैंसर जीनोम डेटाबेस
- ❖ Topic 4:- वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल रिपोर्ट 2024: भारत में स्वर्ण निवेश में 60% वृद्धि
- ❖ Topic 5:- ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार) में 10 नए उत्पाद शामिल

Result Mitra
भारत के प्रधानमंत्री का अमेरिकी दौरा

❖ UPSC परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बिंदु

- भारत-अमेरिका संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
- हाल ही में हुए समझौते और उनके प्रभाव।
- भारत-अमेरिका रक्षा और व्यापार साझेदारी।
- भारत के लिए संभावनाएँ और चुनौतियाँ।

❖ भारत के प्रधानमंत्री 12 फरवरी से दो दिवसीय अमेरिकी दौरे पर

❖ अमेरिका के राष्ट्रपति के द्वारा भारत के प्रधानमंत्री को इस दौरे के लिए निमंत्रित किया गया

❖ भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध वैश्विक राजनीति, व्यापार, रक्षा, और तकनीकी सहयोग के दृष्टिकोण से अत्यंत महत्वपूर्ण हैं।

❖ प्रधानमंत्री का अमेरिकी दौरा इन संबंधों को मजबूत करने के लिए एक अहम अवसर होता है।

भारत-अमेरिका संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

कालखंड	प्रमुख घटनाएं
शीत युद्ध काल (1947-1991)	भारत की गुटनिरपेक्ष नीति, अमेरिका की पाकिस्तान को समर्थन 1971 में भारत-सोवियत संधि से अमेरिका और भारत के संबंध कमजोर हुए।
उदारवाद के बाद (1991-2000)	1991 के आर्थिक सुधारों से भारत-अमेरिका व्यापार बढ़ा। 1998 में परमाणु परीक्षणों के कारण अमेरिका ने भारत पर प्रतिबंध लगाए, लेकिन बाद में संबंध सामान्य हुए।
21वीं सदी (2000-वर्तमान)	2005 में भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु समझौता। 2016 में भारत को 'मेजर डिफेंस पार्टनर' का दर्जा। 2020 के बाद रणनीतिक सहयोग, QUAD और व्यापारिक संबंध मजबूत हुए।

❖ भारत-अमेरिका संबंध (India-US Relations)

❖ (UPSC परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण विषय)

❖ भारत और अमेरिका दुनिया के दो बड़े लोकतंत्र हैं, जिनके बीच राजनीतिक, आर्थिक, रक्षा, विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहित कई क्षेत्रों में सहयोग जारी है। हाल के वर्षों में यह संबंध और अधिक प्रगाढ़ हुए हैं, विशेष रूप से रणनीतिक साझेदारी, रक्षा सहयोग, और वैश्विक भू-राजनीतिक संतुलन के संदर्भ में।

1. भारत-अमेरिका संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य

2. भारत-अमेरिका संबंधों के प्रमुख क्षेत्र

(i) रणनीतिक और रक्षा सहयोग

❖ LEMOA (2016) - लॉजिस्टिक्स सपोर्ट।
❖ COMCASA (2018) - संचार सुरक्षा सहयोग।
❖ BECA (2020) - भौगोलिक डेटा साझा करने का समझौता।
❖ QUAD गठबंधन (भारत, अमेरिका, जापान, ऑस्ट्रेलिया) - हिंद-प्रशांत क्षेत्र में चीन के प्रभाव को संतुलित करने के लिए।
❖ इंडो-पैसिफिक रणनीति - अमेरिका द्वारा भारत को इस क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण शक्ति के रूप में देखना।

(ii) व्यापार और आर्थिक संबंध

❖ द्विपक्षीय व्यापार (2023-24 में ~200 अरब डॉलर)
❖ अमेरिका भारत का सबसे बड़ा निर्यात बाजार है।
❖ सेमीकंडक्टर और डिजिटल तकनीक में साझेदारी।
❖ H-1B वीजा नीति - भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए महत्वपूर्ण।
❖ भारत में FDI (प्रत्यक्ष विदेशी निवेश) के सबसे बड़े स्रोतों में अमेरिका।

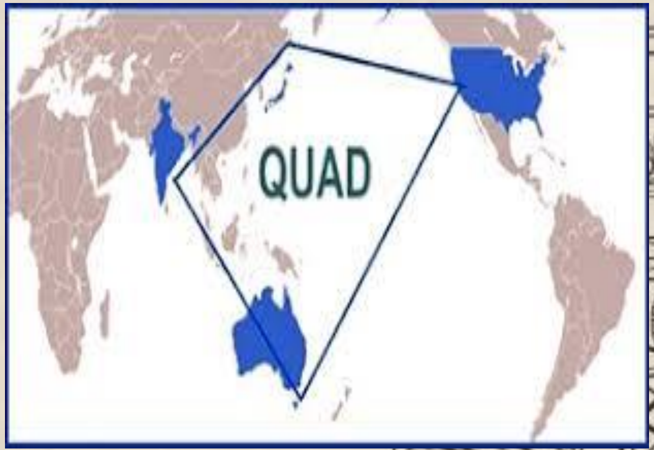

(iii) विज्ञान और प्रौद्योगिकी सहयोग

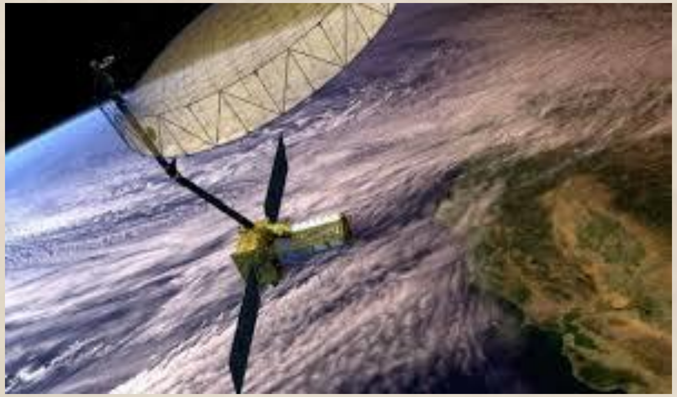

- ISRO-NASA सहयोग - निसार (NISAR) मिशन।
- सेमीकंडक्टर और AI तकनीक में संयुक्त निवेश।
- भारत-अमेरिका क्वांटम टेक्नोलॉजी पहल।

(iv) ऊर्जा और पर्यावरण

- US-India Clean Energy Partnership (नवीकरणीय ऊर्जा सहयोग)।
- ग्रीन हाइड्रोजन और सौर ऊर्जा में संयुक्त पहल।
- नेट ज़ीरो कार्बन उत्सर्जन लक्ष्यों पर सहयोग।

(v) वैश्विक और बहुपक्षीय मंचों पर सहयोग

- संयुक्त राष्ट्र में सुधार और स्थायी सदस्यता पर भारत का समर्थन।
- G20, QUAD, I2U2 (भारत-इज़राइल-अमेरिका-यूएई) जैसे मंचों पर सहयोग।
- आतंकवाद विरोधी सहयोग (FATF, INTERPOL)।

3. भारत-अमेरिका संबंधों की चुनौतियाँ

- ❖ व्यापारिक असंतुलन - अमेरिका द्वारा भारत पर टैरिफ लगाने की आशंका।
- ❖ H-1B वीजा नीतियाँ - भारतीय आईटी पेशेवरों के लिए सख्त वीजा नीतियाँ।
- ❖ रूस-भारत संबंधों पर अमेरिका की आपत्ति - रूस से भारत के रक्षा सौदे (S-400 मिसाइल सिस्टम)।
- ❖ चीन नीति में भिन्नता - अमेरिका चाहता है कि भारत चीन के खिलाफ अधिक सख्त रुख अपनाए।
- ❖ मानवाधिकार और धार्मिक स्वतंत्रता पर अमेरिकी टिप्पणियाँ।

4. भविष्य की संभावनाएँ और अवसर

- ❖ अंतरिक्ष और रक्षा क्षेत्र में संयुक्त अनुसंधान।
- ❖ मेक इन इंडिया के तहत अमेरिकी कंपनियों का निवेश।
- ❖ डिजिटल इंडिया और साइबर सुरक्षा में साझेदारी।
- ❖ इंडो-पैसिफिक रणनीति में अमेरिका-भारत की भूमिका।

Result Mitra

5. UPSC परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण बिंदु

- ❖ भारत-अमेरिका संबंधों का ऐतिहासिक परिप्रेक्ष्य।
- ❖ QUAD, BECA, LEMOA, COMCASA जैसे रक्षा समझौतों का महत्व।
- ❖ भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों की स्थिति और चुनौतियाँ।
- ❖ भारत की स्वतंत्र विदेश नीति और अमेरिका के साथ संतुलन।

❖ प्रश्न (Mains Answer Writing के लिए)

1. भारत-अमेरिका संबंधों में हाल के वर्षों में क्या प्रमुख परिवर्तन हुए हैं? चर्चा करें।
2. QUAD संगठन भारत के लिए क्यों महत्वपूर्ण है? इसकी संभावनाओं और चुनौतियों का विश्लेषण करें।
3. भारत-अमेरिका व्यापारिक संबंधों में असंतुलन को कम करने के लिए क्या कदम उठाए जा सकते हैं?

❖ प्रश्न 1: भारत-अमेरिका संबंधों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. भारत और अमेरिका के बीच नागरिक परमाणु समझौता (Civil Nuclear Agreement) 2008 में हुआ था।

2. अमेरिका ने भारत को "Major Defense Partner" का दर्जा 2016 में दिया।

3. भारत और अमेरिका के बीच "COMCASA" (Communications Compatibility and Security Agreement) हुआ है, जो सैन्य संचार के लिए महत्वपूर्ण है।

उपर्युक्त में से कौन सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

गुवाहाटी उच्च न्यायालय का आदेश:
टिपम पहाड़ियों और अहोम स्मारकों की सुरक्षा

Result Mitra

1. आदेश का उद्देश्य

❖ अवैध कोयला खनन रोकने के लिए असम सरकार और संबंधित अधिकारियों को निगरानी का निर्देश।

❖ अहोम राजवंश के ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने का आदेश।

2. आदेश की पृष्ठभूमि

❖ 5 अप्रैल, 2018 को एक समाचार पत्र में प्रकाशित रिपोर्ट के आधार पर स्वतः संज्ञान में जनहित याचिका (PIL) दर्ज।

❖ रिपोर्ट में कोयला तस्करों द्वारा डिगबोई उप-मंडल की टिपम पहाड़ियों को नुकसान पहुँचाने का खुलासा।

खनन

उच्च न्यायालय ने असम सरकार को अवैध खनन रोकने और अहोम स्मारकों की सुरक्षा का दिया निर्देश

राज्य सरकार ने पुष्टि की है कि टिपम पहाड़ियों में कोयला तस्करों द्वारा की जा रही अवैध खनन से जुड़ी गतिविधियों को अब रोक दिया गया है

Source :- Down to Earth

3. अदालती प्रक्रिया और निष्कर्ष

- न्यायालय ने राज्य सरकार और अन्य संबंधित पक्षों को नोटिस जारी किया।
- सरकारी रिपोर्टों में पुष्टि - अब अवैध कोयला खनन बंद और नियमित निगरानी जारी।
- पुरातत्व निदेशक की रिपोर्ट की समीक्षा के बाद अदालत ने याचिका का निपटारा किया।

4. न्यायालय के निर्देश

- छह महीने के भीतर कार्य पूरा करने का आदेश।
- ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा के लिए प्रभावी कदम उठाने का निर्देश।
- भविष्य में अवैध खनन रोकने के लिए नियमित निगरानी जारी रखने की आवश्यकता।

5. महत्व और प्रभाव

- ❖ पर्यावरण संरक्षण और सांस्कृतिक धरोहर की सुरक्षा में अहम कदम।
- ❖ अवैध खनन के खिलाफ सख्त कार्रवाई का संकेत
- ❖ असम में ऐतिहासिक धरोहरों की रक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

❖ गुवाहाटी उच्च न्यायालय का निर्देश: निगरानी और ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा

1. निगरानी जारी रखने का आदेश

- ❖ एमिकस क्यूरी टी. जे. महंता ने बताया कि पिछले दो वर्षों में टिपम पहाड़ियों में कोई अवैध गतिविधि दर्ज नहीं की गई।
- ❖ एमिकस क्यूरी ने अदालत से सरकार को निगरानी जारी रखने का निर्देश देने का आग्रह किया, ताकि भविष्य में अवैध कोयला खनन न हो।
- ❖ न्यायालय ने निगरानी और पर्यवेक्षण बनाए रखने का आदेश दिया।

2. अहोम राजवंश के स्मारकों की सुरक्षा

- जनहित याचिका के दौरान अहोम राजवंश के ऐतिहासिक स्मारकों की सुरक्षा का मुद्दा भी सामने आया।
- 30 अप्रैल, 2024 को न्यायालय ने असम सरकार को रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।
- रिपोर्ट डॉ. जोगेंद्र नाथ फुकन की पुस्तिका पर आधारित थी, जिसमें संरक्षित न किए गए ऐतिहासिक स्थलों का विवरण था।

3. पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट और हलफनामा

- असम के पुरातत्व निदेशक ने 29 अगस्त, 2024 को हलफनामा दायर किया।
- रिपोर्ट में बताया गया कि ऐतिहासिक स्मारकों की पहचान के लिए सर्वेक्षण जारी है।

❖ स्मारकों की प्रामाणिकता, अखंडता और पुरातात्विक महत्व का मूल्यांकन किया जाएगा।

❖ उद्देश्य: ऐतिहासिक स्थलों के रूप में संरक्षित करना और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना।

4. निर्णय और प्रभाव

❖ कोयला तस्करी पर निगरानी जारी रखने का आदेश।

❖ अहोम राजवंश के स्मारकों को संरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम उठाने की पहल।

❖ असम की ऐतिहासिक धरोहरों और पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता बढ़ेगी।

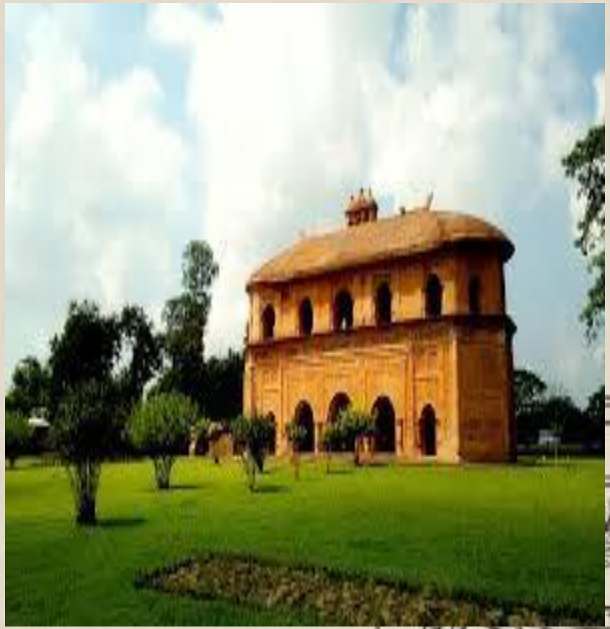

Result Mitra

❖ टिपम पहाड़ियाँ (Tipam Hills) – एक संक्षिप्त परिचय

1. भौगोलिक स्थिति

- ❖ **स्थान:** असम के डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों में स्थित हैं।
- ❖ **संबंधित क्षेत्र:** डिगबोई उप-मंडल के अंतर्गत आती हैं।
- ❖ **पर्यावरणीय महत्त्व:** घने जंगलों और जैव विविधता के लिए प्रसिद्ध।

2. ऐतिहासिक और सांस्कृतिक महत्व

- ❖ अहोम राजवंश और स्थानीय समुदायों के लिए महत्वपूर्ण स्थल।
- ❖ पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण – कई ऐतिहासिक अवशेष पाए गए हैं।
- ❖ स्थानीय जनजातियों के लिए धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्य।

Result Mitra

3. कोयला खनन और पर्यावरणीय खतरे

- ❖ कोयला भंडार समृद्ध क्षेत्र, जिससे अवैध खनन का खतरा।
- ❖ अवैध खनन के कारण पर्यावरणीय क्षति, जिससे जंगलों और जल स्रोतों पर प्रभाव।
- ❖ स्थानीय वन्यजीवों और पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान।

4. कानूनी और प्रशासनिक हस्तक्षेप

- ❖ गुवाहाटी उच्च न्यायालय का आदेश (4 फरवरी, 2025) – अवैध खनन रोकने और निगरानी रखने का निर्देश।
- ❖ 2018 में समाचार रिपोर्ट के बाद जनहित याचिका दायर की गई।
- ❖ निगरानी बढ़ाने और ऐतिहासिक स्थलों की सुरक्षा के लिए निर्देश दिए गए।

5. संरक्षण और भविष्य की योजनाएँ

- ❖ सरकार द्वारा नियमित पर्यवेक्षण और निगरानी जारी।
- ❖ अहोम राजवंश के स्मारकों की सुरक्षा के लिए पुरातत्व सर्वेक्षण।
- ❖ पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रतिबंध और पुनर्वनीकरण प्रयास।

❖ अहोम स्मारक (Ahom Monuments) – एक संक्षिप्त परिचय

- ❖ अहोम स्मारक असम की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं। ये स्मारक 13वीं से 19वीं शताब्दी के बीच शासन करने वाले अहोम राजवंश की समृद्ध स्थापत्य कला और इतिहास को दर्शाते हैं।

1. ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

❖ **अहोम राजवंश (1228-1826)** – ताई-अहोम वंश ने असम पर लगभग 600 वर्षों तक शासन किया।

❖ **राजधानी:** चराईदेव, गढ़गांव, और जोरहाट, रंगपुर जैसे स्थान।

❖ **मुख्य योगदान:** अद्वितीय स्थापत्य कला, जल प्रबंधन प्रणाली, किले और मंदिर निर्माण।

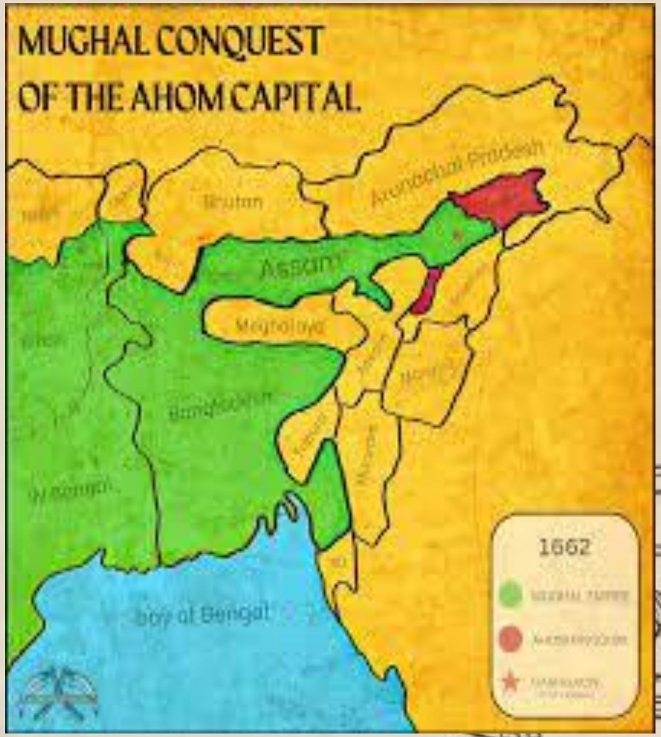

2. प्रमुख अहोम स्मारक

(i) चराईदेव मकबरे (Charaideo Maidams)

❖ **स्थान:** सिवसागर जिला, असम।

❖ **महत्व:** अहोम राजाओं और रानियों के मकबरे, जिन्हें "मेडम" कहा जाता है।

❖ **विशेषता:** मिस्र के पिरामिड जैसी संरचनाएँ, जिन्हें "असम के पिरामिड" कहा जाता है।

❖ **संरक्षण प्रयास:** UNESCO विश्व धरोहर स्थल के रूप में प्रस्तावित।

Result Mitra

(ii) रंगघर (Rang Ghar)

❖ **स्थान:** सिवसागर, असम।

❖ **निर्माण:** 18वीं शताब्दी में राजा स्वर्गदेव प्रमत्ता सिघा द्वारा।

❖ **महत्व:** एशिया का सबसे पुराना स्टेडियम, जहाँ शाही खेल और उत्सव आयोजित किए जाते थे।

❖ **विशेषता:** दो मंजिला अंडाकार संरचना, जिसमें ईंट और चूने का उपयोग किया गया है।

(iii) तालाताल घर (Talatal Ghar)

❖ **स्थान:** सिवसागर, असम।

❖ **निर्माण:** अहोम राजा रुद्र सिघा और राजेश्वर सिघा के शासनकाल में।

❖ **महत्व:** अहोम राजाओं का सैन्य किला और शाही निवास।

❖ **विशेषता:** सात मंजिला संरचना, जिसमें तीन भूमिगत सुरंगें हैं (अब बंद कर दी गई हैं)।

(iv) करेंग घर (Kareng Ghar)

- ❖ स्थान: गरगांव, असम।
- ❖ निर्माण: राजा स्वर्गदेव रुद्र सिघा द्वारा।
- ❖ महत्व: अहोम राजाओं का मुख्य शाही महल।
- ❖ विशेषता: चार मंजिला संरचना, जिसमें ऊपरी मंजिल शाही निवास के रूप में प्रयुक्त होती थी।

(v) शिवडोल (Shivadol)

- ❖ स्थान: सिवसागर, असम।
- ❖ निर्माण: 1734 में अहोम रानी अंबिका द्वारा।
- ❖ महत्व: असम का सबसे ऊँचा शिव मंदिर।
- ❖ विशेषता: 105 फीट ऊँचा मंदिर, जिसमें स्वर्ण कलश स्थापित है।

3. संरक्षण और चुनौतियाँ

❖ अवैध खनन और अतिक्रमण से खतरा।

❖ प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।

❖ पर्याप्त देखभाल और संरक्षण योजनाओं की कमी।

❖ गुवाहाटी उच्च न्यायालय द्वारा असम सरकार को निगरानी और संरक्षण का निर्देश (2025)।

❖ प्रश्न 1 : अहोम स्मारकों से जुड़े निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. रंगघर (Rang Ghar) को भारत के सबसे पुराने जीवित एम्फीथिएटर (Amphitheater) में से एक माना जाता है।

2. अहोम साम्राज्य के शासक हिंदू धर्म के अनुयायी थे और उन्होंने कई हिंदू मंदिरों का निर्माण कराया।

3. सुवांगपु खांग (Suwangpukhuri Khang) अहोम साम्राज्य द्वारा निर्मित एक प्रसिद्ध जलाशय (Reservoir) है।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

Result Mitra
आईआईटी मद्रास ने लॉन्च किया
पहला कैंसर जीनोम डेटाबेस

❖ मुख्य बिंदुः

1. डेटाबेस का नाम – 'भारत कैंसर जीनोम एटलस' (BCGA)
2. लॉन्च तिथि – 3 फरवरी 2025
3. उद्देश्य – कैंसर रिसर्च को आगे बढ़ाने में सहायता और बेहतर उपचार विकसित करना

4. कैंसर की स्थिति (भारत में):

❖ हर नौंवें व्यक्ति को जीवन में कैंसर होने का खतरा
❖ कुल मरीज – 14,61,427 (2025 तक)
❖ 2022 से वृद्धि दर – 12.8% प्रति वर्ष

5. स्रोत – भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (ICMR) और नेशनल कैंसर रजिस्ट्री प्रोग्राम
6. महत्व – कैंसर अनुसंधान और दवा विकास में गेम चेंजर साबित होगा

स्वास्थ्य

आईआईटी मद्रास ने अपनी तरह का पहला कैंसर जीनोम डेटाबेस किया लॉन्च, रिसर्च में साबित होगा गेम चेंजर

भारत के हर नौवें व्यक्ति को जीवन में कैंसर होने का खतरा रहता है। कैंसर पीड़ितों के आंकड़ों पर नजर डालें तो देश में 14,61,427 लोग इस घातक बीमारी से जूझ रहे हैं। वहीं 2022 से कैंसर के मामले 12.8 फीसदी की दर से बढे हैं

Source:– DOWN TO EARTH

❖ मुख्य बिंदुः

1. अध्ययन की कमी – भारत में कैंसर से जुड़े जीनोम पर अब तक पर्याप्त रिसर्च नहीं हुई।

2. समस्या – भारतीयों में पाए जाने वाले कैंसर के विशेष लक्षण (वैरिएंट) दवा और परीक्षणों में शामिल नहीं किए जाते।

3. परिणाम –

❖ प्रभावी डायग्नोस्टिक किट विकसित नहीं हो पा रही।
❖ भारतीयों के लिए उपयुक्त दवाओं का विकास संभव नहीं हो रहा।

4. आईआईटी मद्रास की पहल –

- 2020 में कैंसर जीनोम कार्यक्रम की शुरुआत।
- ब्रेस्ट कैंसर के 480 मरीजों के टिश्यू सैंपल से 960 जीनों की एक्सोम इंडेक्सिंग पूरी की।
- डेटाबेस को दुनिया भर के वैज्ञानिकों और चिकित्सकों के लिए उपलब्ध कराया गया।

5. डेटाबेस एक्सेस – bcga.iitm.ac.in पर उपलब्ध।

6. महत्व – भारत में कैंसर रिसर्च को बढ़ावा देकर, सटीक निदान और उपचार विकसित करने में मदद करेगा।

- कैंसर का प्रभावी और किफायती उपचार होगा संभव

❖ मुख्य बिंदुः

1. कैंसर-स्पेसिफिक बायोमार्कर की पहचान –

❖ कैंसर जीनोम एटलस से ब्रेस्ट कैंसर सहित अन्य कैंसरों का जल्द पता लगाने में मदद मिलेगी।

2. बेहतर और सस्ता इलाज –

❖ बीमारी की पहचान जल्द होने से प्रभावी और किफायती उपचार संभव होगा।

3. डेटा विश्लेषण में सहयोगी संस्थाएं –

❖ कर्किनोस हेल्थकेयर (मुंबई)

❖ चेन्नई ब्रेस्ट क्लिनिक

❖ कैंसर रिसर्च एंड रिलीफ ट्रस्ट

❖ प्रश्न 1: कैंसर के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. कैंसर केवल उस समय विकसित होता है जब शरीर में कोशिकाओं का अनियंत्रित वृद्धि होती है।

2. कीमोथेरेपी और रेडियोथेरेपी कैंसर के इलाज के मुख्य तरीके हैं, जिनका उपयोग केवल शरीर के बाहरी अंगों में होने वाले कैंसर के लिए किया जाता है।

3. कैंसर की रोकथाम में विरासत और आनुवंशिकता का एक महत्वपूर्ण योगदान हो सकता है।सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल रिपोर्ट 2024: भारत में स्वर्ण निवेश में 60% वृद्धि

Result Mitra

❖ वैश्विक स्वर्ण निवेश और मांग

❖ **भारत का स्वर्ण निवेश:** 2024 में 60% बढ़कर 1.5 लाख करोड़ रुपये हुआ।

❖ **वैश्विक स्वर्ण मांग:** 2023 की तुलना में 25% वृद्धि।

❖ **निवेश मांग:** 29% बढ़ी।

❖ **वैश्विक आपूर्ति:** खदान उत्पादन और पुनर्चक्रण से 1% वृद्धि।

❖ **भविष्य की संभावनाएं (2025):** सेंट्रल बैंक और गोल्ड एक्सचेंज ट्रेडेड फंड्स से मांग बढ़ने की संभावना।

❖ भारत में स्वर्ण निवेश का परिदृश्य

❖ **RBI का स्वर्ण भंडार:** 73 टन सोना जोड़कर विदेशी मुद्रा भंडार में सोने की हिस्सेदारी 11% तक पहुंची।

❖ **बढ़ी हुई मांग के प्रमुख कारण:**

1. **संपन्नता और सामाजिक प्रतिष्ठा:** सोना भारतीय परंपराओं और अनुष्ठानों का अभिन्न अंग।

2. **निवेश और सुरक्षा:** विशेष रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में इसे संपत्ति सुरक्षित रखने का जरिया माना जाता है।

3. **विवाह खरीदारी:** भारत में कुल स्वर्ण मांग का 50% शादी से जुड़ी खरीदारी से आता है।

❖ स्वर्ण संसाधन की स्थिति

❖ भारत में स्वर्ण संसाधन (2022, खान मंत्रालय के अनुसार)

❖ बिहार: 44% (सबसे बड़ा स्वर्ण अयस्क भंडार)।

❖ राजस्थान: 25%

❖ कर्नाटक: 21%

❖ पश्चिम बंगाल और आंध्र प्रदेश: 3% प्रत्येक।

❖ झारखंड: 2%

Result Mitra

❖ वैश्विक स्वर्ण भंडार के प्रमुख धारक

❖ संयुक्त राज्य अमेरिका

❖ जर्मनी

❖ इटली

❖ फ्रांस

❖ चीन

❖ स्विट्जरलैंड

❖ भारत

❖ जापान

❖ शीर्ष स्वर्ण निर्यातक (वर्ल्ड इंटीग्रेटेड ट्रेड सॉल्यूशन, 2023)

❖ जर्मनी

❖ यूरोपीय संघ

❖ स्विट्जरलैंड

❖ संयुक्त राज्य अमेरिका

❖ जापान

❖ वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल (WGC)

❖ **स्थापना:** 1987 में विश्व की प्रमुख स्वर्ण खनन कंपनियों द्वारा।

❖ **उद्देश्य:**

❖ स्वर्ण को एक रणनीतिक परिसंपत्ति के रूप में बढ़ावा देना।

❖ जिम्मेदार, पारदर्शी और सुलभ स्वर्ण आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत करना।

❖ **सदस्यता:**

❖ 32 प्रमुख स्वर्ण खनन कंपनियां सदस्य।

❖ 45+ देशों में संचालन।

❖ **मुख्यालय:** लंदन, यू.के.

❖ प्रश्न 1: गोल्ड (सोना) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. गोल्ड का उपयोग केवल आभूषण बनाने के लिए ही नहीं, बल्कि मुद्रा और वित्तीय लेन-देन में भी किया जाता है।

2. भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) भारत सरकार के पास गोल्ड भंडार का प्रबंधन करता है।

3. मुद्रास्फीति (Inflation) के दौरान गोल्ड की कीमत आमतौर पर गिरती है।सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 2 और 3

(C) केवल 1 और 3

(D) 1, 2 और 3

ई-नाम (राष्ट्रीय कृषि बाजार)
में 10 नए उत्पाद शामिल
Result Mitra

❖ **नए उत्पाद:** चने का आटा, सूखी तुलसी पत्तियां, ड्रैगन फ्रूट आदि।

❖ **कुल उत्पाद:** अब ई-नाम प्लेटफॉर्म पर 231 उत्पाद उपलब्ध।

❖ **लाभ:**

❖ किसान उत्पादक संगठनों (FPOs) को मूल्य-वर्धित उत्पादों (जैसे हींग, भुने चने का आटा) के विपणन में मदद।

❖ ई-नाम (e-NAM) – राष्ट्रीय कृषि बाजार

Result Mitra

❖ परिचय:

❖ ई-नाम (e-NAM) एक अखिल भारतीय इलेक्ट्रॉनिक ट्रेडिंग पोर्टल है, जिसे 2016 में लॉन्च किया गया था। यह APMC (कृषि उपज बाजार समितियों) को आपस में जोड़ता है और कृषि उत्पादों के लिए एकीकृत राष्ट्रीय बाजार प्रदान करता है।

❖ ई-नाम के प्रमुख बिंदु (UPSC हेतु उपयोगी जानकारी)

1. उद्देश्य:

❖ किसानों को बेहतर मूल्य दिलाना और बिचौलियों की भूमिका कम करना।
❖ कृषि उत्पादों के लिए एक पारदर्शी और कुशल बाजार बनाना।
❖ डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा देना।

2. कार्यप्रणाली:

❖ यह समानांतर बाजार नहीं है बल्कि APMC मंडियों की मौजूदा संरचना का उपयोग करता है।

❖ राज्य सरकारों को APMC अधिनियम में सुधार करने की आवश्यकता होती है, जिसमें तीन प्रमुख बिदु शामिल हैं:

1. सिगल ट्रेडिग लाइसेंस (राज्यभर में मान्य)।

2. बाजार शुल्क का एकल बिदु पर संग्रहण।

3. ई-नीलामी और ई-ट्रेडिग के माध्यम से मूल्य निर्धारण।

3. लाभ:

- **बाजार तक पहुंच:** किसानों और व्यापारियों के बीच सूचना असंतुलन को दूर करता है।
- **रियल-टाइम मूल्य खोज:** मांग और आपूर्ति के आधार पर उचित मूल्य तय करने में मदद करता है।
- **पारदर्शिता:** ऑनलाइन नीलामी और भुगतान प्रणाली से किसानों को बेहतर दाम मिलते हैं।

❖ प्रश्न 1: "e-NAM" (राष्ट्रीय कृषि बाजार) से संबंधित निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. e-NAM का उद्देश्य किसानों को कृषि उत्पादों की बिक्री के लिए एक एकीकृत ऑनलाइन मंच प्रदान करना है।

2. e-NAM केवल छोटे किसानों को लाभ पहुंचाने के लिए लागू किया गया है, जबकि बड़े किसानों को इसके दायरे से बाहर रखा गया है।

3. e-NAM प्लेटफार्म पर किसान अपने उत्पादों का मूल्य उत्पादन स्थान पर निर्धारित कर सकते हैं।

सही उत्तर का चयन करें:

(A) केवल 1 और 2

(B) केवल 1 और 3

(C) केवल 2 और 3

(D) 1, 2 और 3

THANK YOU

@resultmitra / 8650457000

@resultmitra

@resultmitra

Result Mitra

PDF

+ SUBSCRIBE

LIKE & SHARE